दूरभाष: 26305065

## आयुक्त (अपील - II) का कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सैन्टल एक्साइज भवन, सातवीं मंजिल, पौलिटैक्नीक के पास, आंबावाडी, अहमदाबाद— 380015.

|   | <b></b><br>क   | फाइल संख्या : File No : <b>V2(ST)041/A-II/2016-17</b>   २/२- /२   |  |  |  |  |  |
|---|--|---|--|--|--|--|--|
|   | ख  | अपील आदेश संख्या : Order-In-Appeal No <u>AHM-SVTAX-000-APP-200-16-17</u>  |  |  |  |  |  |
|   |  | दिनाँक Date : <u>23.12.2016</u> जारी करने की तारीख Date of Issue <u>14 02 17</u>  |  |  |  |  |  |
|   |  | <u>श्री उमा शंकर</u> , आयुक्त (अपील–॥) द्वारा पारित   |  |  |  |  |  |
|   |  | Passed by Shri Uma Shanker Commissioner (Appeals-II)  |  |  |  |  |  |
|   | ग  | आयुक्त सेवाकर अहमदाबाद : आयुक्तालय द्वारा जारी मूल आदेश सं  |  |  |  |  |  |
|   |  | से सृजित  |  |  |  |  |  |
|   |  | Arising out of Order-in-Original No STC/Ref/150/HCV/Vista/Div-III/15-16 Dated 19.02.2016 Issued   |  |  |  |  |  |
|   |  | by Assistant Commr STC, Service Tax, Ahmedabad  |  |  |  |  |  |
|   | ध  | अपीलकर्ता का नाम एवं पता Name & Address of The Appellants<br>M/s. Vistaprint Technologies Pvt Ltd Ahmedabad   |  |  |  |  |  |
|   |  | पील आदेश से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति उचित प्राधिकारी को अपील निम्नलिखित प्रकार से कर   |  |  |  |  |  |
|   |  | ह:–<br>erson aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in<br>llowing way :-   |  |  |  |  |  |
| सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील:<br>Appeal To Customs Central Excise And Service Tax Appellate Tribunal :-     |  |   |  |  |  |  |  |
| वित्तीय अधिनियम,1994 की धारा 86 के अंतर्गत अपील को निम्न के पास की जा सकती:—<br>Under Section 86 of the Finance Act 1994 an appeal lies to :- |  |   |  |  |  |  |  |
|   | पश्चिम क्षेत्रीय पीठ सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण ओ. 20, न्यू मैन्ट<br>हास्पिटल कम्पाउण्ड, मेधाणी नगर, अहमदाबाद—380016 |   |  |  |  |  |  |
|   | The V  | The West Regional Bench of Customs, Excise, Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-<br>20, New Mental Hospital Compound, Meghani Nagar,Ahmedabad – 380 016.   |  |  |  |  |  |
|   | सकेगी<br>भेजी ए<br>है, वह<br>में जह<br>1000/   | (ii) अपीलीय न्यायाधिकरण को वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 86 (1) के अंतर्गत अपील सेवाक नियमावली, 1994 के नियम 9 (1) के अंतर्गत निर्धारित फार्म एस.टी— 5 में चार प्रतियों में की ज सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के विरूद्ध अपील की गई हो उसकी प्रतियों में की ज भेजी जानी चाहिए (उनमें से एक प्रमाणित प्रति होगी) और साथ में जिस स्थान में न्यायाधिकरण का न्यायपीठ स्थि है, वहाँ के नामित सार्वजनिक क्षेत्र बैंक के न्यायपीठ के सहायक रिजस्ट्रार के नाम से रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रू में जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहां रूप 1000/— फीस भेजनी होगी। जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख र जुर्माना रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूप 10000/— फीस भेजनी होगी।   |  |  |  |  |  |
|   | Servi<br>agair<br>1000<br>less,<br>more<br>servi   | The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act 1994 to the Appellate anal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the ice Tax Rules 1994 and Shall be accompany ed by a copy of the order appealed nest (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. W- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is is than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of ce tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of sed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector of the place where the bench of Tribunal is situated. |  |  |  |  |  |

- वित्तीय अधिनियम,1994 की धारा 86 की उप—धाराओं एवं (2ए) के अंतर्गत अपील सेवाकर र..., नियमावली, 1994 के नियम 9 (2ए) के अंतर्गत निर्धारित फार्म एस.टी.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त,, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) के आदेश की प्रतियाँ (OIA)( उसमें से प्रमाणित प्रति होगी) और अपर आयुक्त, सहायक / उप आयुक्त अथवा A219k केन्द्रीय चत्पाद शुल्क, अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन करने के निदेश देते हुए आदेश (OIO) की प्रति भेजनी होगी।
- The appeal under sub section (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST-7 as prescribed under Rule 9 (2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise (Appeals)(OIA)(one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Addl. / Joint or Dy. /Asstt. Commissioner or Superintendent of Central Excise & Service Tax (OIO) to apply to the Appellate Tribunal.
- यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975 की भर्तो पर अनुसूची—1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन प्राधिकारी के आदेश की प्रति पर रू 6.50/— पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।
- One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudication authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्यविधि) नियमावली, 1982 में चर्चित एवं अन्य संगंधित भामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।
- Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सीस्तेत) के प्रति अपीलों के मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, १९४४ की धारा ३५फ के अंतर्गत वित्तीय(संख्या-२) अधिनियम २०१४(२०१४ की संख्या २५) दिनांक: ०६.०८.२०१४ जो की वित्तीय अधिनियम, १९९४ की धारा ८३ के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, द्वारा निश्चित की गई पूर्व-राशि जमा करना अनिवार्य है, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा की जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रूपए से अधिक न हो

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत " माँग किए गए शुल्क " में निम्न शामिल है -

- धारा 11 डी के अंतर्गत निर्धारित रकम
- सेनवेंट जमा की ली गई गलत राशि (ii)
- सेनवैट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम (iii)
- 🖘 आगे बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वितीय (सं. 2) अधिनियम, 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपालीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्ज़ी एवं अपील को लागू नहीं होगे।
- For an appeal to be filed before the CESTAT, it is mandatory to pre-deposit an amount specified under the Finance (No. 2) Act, 2014 (No. 25 of 2014) dated 06.08.2014, under section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under section 83 of the Finance Act, 1994 provided the amount of pre-deposit payable would be subject to ceiling of Rs. Ten Crores,

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- amount determined under Section 11 D; (i)
- amount of erroneous Cenval Credit taken; (ii)
- amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.
- Provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- इस संदर्भ में, इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।
- In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute.



## **ORDER IN APPEAL**

M/s. Vistaprint Technologies Pvt. Ltd, 104, 201-204, 301-304, Commerce House 5, Corporate Road, Prahladnagar, Ahmedabad (hereinafter referred to as 'appellants') have filed the present appeals against the Order-in-Original number STC/Ref/150/HCV/Vista/Div-III/2015-16 dated 19.02.2016 (hereinafter referred to as 'impugned orders') passed by the Asst.Commissioner, Service Tax Div-III, APM Mall, Satellite, Ahmedabad (hereinafter referred to as 'adjudicating authority'); Appellant holds ST registration No. AAMCS 1800 MSD002 w.e.f. 11.08.2015 as centralized registration at above premises. Prior to this they were holding single registration in same name but at nr. Akota stadium, Vadodara.

2. The facts of the case, in brief, are that the appellants filed refund claim under Notification 27/2012- CE (NT) dated 18.06.2012 read with rule 5 of CCR, 2004 for refund of accumulated and unutilized credit of Rs. 15,86,375/- on 19.10.2015 for period Oct-2014 to Dec.-2014. Appellant has submitted following original , revised and re-revised return ST-3 returns copy for period Oct-2014 to March-2015 wherein credit availed during Oct-2014 to Dec.-2014 is as below.

| 2011 00 0 00 0  |           |              |                |             |  |  |  |
|-----------------|-----------|--------------|----------------|-------------|--|--|--|
| Oct-2014 to     | Filed on  | Manual       | Rectified d    | Refund form |  |  |  |
| Dec2014         | due date  | revised ST-3 | revised return | Α           |  |  |  |
|                 |           | on           | on 15.10.2015  |             |  |  |  |
|                 |           | 23.07.2015   |                | _           |  |  |  |
|                 |           | (89 DAYS     |                |             |  |  |  |
|                 |           | DELAY)       |                |             |  |  |  |
| Opening Balance |           |              |                |             |  |  |  |
| Credit availed  | NIL       | 24,82,409    | 15,86,375      | 15,86,375   |  |  |  |
| Closing Balance | 48,13,260 | 1,08,05,493  | 24,82,409      | 1,08,06,493 |  |  |  |
|                 | <u> </u>  | <u> </u>     | <u> </u>       |             |  |  |  |

Refund claim was rejected vide impugned OIO on following grounds-

- I. CENVAT credit accumulated during Oct-2014 to Dec.-2014since not filed correctly in time the same is required to be taken "NIL" on the basis of original ST-3. Re-revised manual ST-3 filed is rejected on ground that it is not filed within prescribed 90 days limit u/r 7 of service tax rules. Therefore no refund is admissible as no credit taken during relevant quarter.
- II. Credit is availed after six month; therefore credit itself is not eligible in terms of Rule 9(1) of CCR, 2004.

- III. Hypothetical amount of credit 15,86,375/- availed shown in revised ST-3 dated 15.10.2015, though revised beyond prescribed 90 days u/r 7 of service tax rules, 1994,the said amount can not be considered for allowing refund as said amount formed imaginatively or arbitrarily lacking any factual reality. Said amount is not supported by any documentary evidence and it is not in consonance with refund amount.
- IV. Manual ST-3 return filed on 15.10.2015 is not acceptable as there is no provision to file return manually and after prescribed 90 days limit.
- V. Original registration was not centralized and as such the CENVAT credit availed prior to registration of un-registered premises is not allowed. In support of argument judgment in case of Market Creators Limited [2014(3) ECS (185) (Tri.-Ahd.)] is cited.
- VI. Bank realization certificates required as per para 3(d) of Noti. No. 27/2012-EX (NT) is not submitted hence refund is not admissible. Bank statement also not produced to reconcile.
- VII. Refund amount is not debited in cenvat ledger. Credit is not taken within six months as required under Noti. No. 21/2014- CE (NT) read with rule 9(1) of CCR, 2004
- 4. Being aggrieved with the impugned order, the appellants preferred an appeal on 27.04.2016 before the Commissioner (Appeals-II) wherein it is contended that-
  - Condition /pre-requisite which is paramount importance for allowing credit is that services should have been received for export and the appellant should have suffered the service tax.
- II. As per rule 7(1) of service tax rules, 1994 read with section 65(12) of Finance Act-1994, only person liable to service tax is required to get registered and file ST-3. Appellant being 100% exporter of service is not required to get registered and required to file ST-3 periodically.
- III. Claim is rejected merely on ground that CENVAT credit availed is not reflected in ST-3. Substantial benefit should not be denied on procedural and technical grounds.
- IV. There is no requirement in said notification and application form-A under said notification that CENVAT credit disclosed in ST-3 only should be allowed as refund. In support of argument judgment in case of WNS Global Services Pvt. Ltd Vs. CCE- Pune III[Order No. A/2860-2861/15/SMB dated 06.05.2015] is cited.
- V. Refund should be granted on the basis of CENVAT a/c and not on the basis of closing balance in returns. In support of argument, judgment

in case of Serco Global Services Pvt. Ltd [2015(39) STR 892 (Tri. Del.)] is cited.

- VI. In case of Broadcom India Research Pvt. Ltd [2016(42) STR 79 (Tri. Bang.)] ground of rejecting the refund claim was CENVAT credit shown in ST-3 does not tally with amount of refund claim. The relevant extract of the judgment is reproduced as "The next ground is that Cenvat credit shown in the ST-3 returns does not tally with the amount claimed in the refund claims. In my opinion, the refund claim is not based on ST-3 returns and ST-3 return is nothing but a report of transactions that have taken place over a period covered by the returns. On the ground that the figures in ST-3 returns were not correct or there was a substantial difference, refund claim cannot be rejected. For the purpose of consideration of refund claim, the relevant documents on the basis of which credit was taken, nature of service and its nexus and utilization of the service for rendering output service are relevant and merely because there was some mistake in the ST-3 returns, substantive right of assessee for refund cannot be rejected. Therefore, I do not consider it necessary to consider the issue as to whether figures in ST-3 returns tallied with the amounts claimed in the refund claims or not."
- VII. Registration was amended on 12.06.2015 to obtain centralized registration(added all premises for which CENVAT credit is availed) and all the credits were shown in revised return filed.
- VIII. Input services in respect of which CENVAT credit is rejected on ground that the address mentioned on voices is not covered under registration certificate. There is no requirement in rue that registration to be taken for availing credit. As per rule 4(7) CCR credit is allowed on invoices received. Said service is utilized for export therefore credit is admissible. In case of JP Morgan Private ltd. dtd. 2.2.2016 it is held that no restriction exist in availing credit before grant of registration. In support of argument, cited judgment in case of Imagination Technologies India Pvt. Ltd [2011-TIOL-719-CESTAT-MUM)] is cited wherein it is held that nowhere it is mentioned in the law that the credit is not available prior to registration.
  - IX. They have already submitted FIRC received from bank evidencing receipt of consideration towards export of services.. Certificate from Bank declaring the receipt of foreign exchange against the specified invoices raised has been filed. One-to-one co-relation of bank certificate with invoices copy can be verified by department. In case of Apotex Research Pvt. Ltd [2014-TIOL-1836-CESTAT-BANG] it is held that , what is required to established by exporter is that, in respect of export invoices consideration if foreign currency has been received.
    - X. SCN issued never proposed to reject the CENVAT credit availed in respect of unregistered issue and availed after six months .

5. Personal hearing in the case was granted on 16.11.2016. Shri Manoj Chandak and Shri Mitesh Jain, both CA, appeared before me and reiterated the grounds of appeal. They submitted additional submission wherein it is stated that- Non inclusion of one of the branch in the registration certificate is merely technical lapse for which benefits of claim can not be denied. They submitted judgment in case of M/s Bharat Sanchar Nigam Ltd. [2009(14)STR 699 (Tri. Chennai.) And M/s UM Cables Ltd. [2013-TIOL 386 HC MUM CX) in support of their contention.

## DISUSSION AND FINDINGS

- 6. I have carefully gone through the facts of the case on records, grounds of appeal in the Appeal Memorandum and oral submissions made by the appellants at the time of personal hearing.
- Argument of appellant is based on decision of Tribunals that refund is 7. not to be granted on returns. However, I find that appellant's submission is not correct because in those decisions the amount/figures were not under doubt. However in the present case the refund amounts as well as accumulated cenvat credit amount have been revised many times. It should be noted that the ST-3 returns are statutory document and can not be changed at will. On the contrary the credit A/c register maintained by service provider is now a non-statutory document and giving precedence to non-statutory document to statutory document will not be a prudent practice. This aspect has not been examined and discussed in any of the citation submitted by the appellant. Honorable Tribunal has also not considered and examined under what authority figures mentioned in statutory prescribed returns should be discarded when C.Ex. Rules /Service investigation or any Rules/Act not prescribe do examination/verification before sanctioning refund. The pitfall and danger of accepting private records over statutory return has not been considered and discussed in any of the citation, which will lead to very dangerous and revenue risky situation. The rules are prescribed in a sequence which has considered every aspect for the provisions of notification along with Central Excise Rules and other related statutory provisions and have tried to take care of while formatting in a logical sequence. If any of this sequence is broken then it is open to mis-utilisation and fraught with risk
- 7.1 Rule 9(5) and 9(6) of credit rules 2004, states that manufacturing of final products or the provider of output services shall maintain proper records for the receipt and consumption of the input services in which

relevant information regarding the value, tax paid, CENVAT Credit taken and utilized. Rule 9(2) provides that Assistant Commissioner may allow the credit of CENVAT if he is satisfied that the goods and services have been duly received and accounted for in the books of accounts of the receiver of service.

- 7.2 For the same period 10/2014 to 12/2014, **credit availed figures have been revised four times** which proves that appellant is not maintaining credit account properly and there is scope of manipulation and changes.
  - I. In another instance, pertaining other refund OIO dated 31.03.2016 for period 01/15 to 3/2015, credit availed figures are re-revised four times.
- II. In another one more instance pertaining other refund OIO dated 29.01.2016 for period 7/2014 to 9/2014, credit availed figures are re-revised three times.

It was a fit case for denying refund under credit rule 9(2) read with 9(5) and 9(6) of CCR, 2004 for not proper maintenance of Account itself. Frequent revising and re-revising the credit figures in ST-3 (without authority) by such a huge service exporter creates serious doubts and is not acceptable. Adjudicating authority has overlooked this severe lapse but has rejected refund on some other grounds. This ground needs to be looked into afresh in view of my above observation by the original authority in remand proceeding.

8. One of the conditions for allowing refund is that BRC should have been received. Appellant has produced FIRC wherein receipt of foreign currency is shown. From FIRC it can not be established that said receipt is in respect of export invoice or services in respect of which claim is filed. At para 3(d) of Noti. No. 27/2012-EX (NT) it is mentioned that "The applicant shall file the refund claim along with the copies of bank realization certificate in respect of the services exported". Bank realization certificate (BRC) is must for claim as it is also evident from para 4(ii) of form- A prescribed under notification 27/2012- CE (NT). Appellant has produced CESTAT judgments in the case of Apotex Research Pvt. Ltd [ 2014-TIOL-1836-CESTAT-BANG] wherein at point No. 7 of judgment ruling is given about foreign remittance. It is stated that.... "A certificate from the bank certifying that the amount in the invoice has been received specifically with reference to invoice has to be made available. What is required to be established by an exporter is that in respect

of invoice raised by him, consideration in foreign currency has been raised". Such certificate may suffice the requirement of para 3(d) of Noti. No. 27/2012-EX (NT). Appellant has produced HSBC bank certificate dated 05.04.2016 certifying to effect that foreign remittance in respect of said claim export invoice is received. I hold that Bank certificate certifying receipt of payment of export invoice will suffice the requirement instead of regular BRC but subject to verification by refund sanctioning authority. I set aside the impugned OIO as far as it relates to rejection of claim of BRC issue. It is just and proper in the interest of justice to remand back the case to original refund sanctioning authority to allow claim after due verification of bank certificate and export invoice remittance covered under above claim quarter without insisting for BRC.

- 9. Now I come to issue regarding invoices bearing address of unregistered premises. Adjudicating authority has not raised any objection other then un-registered premises issue in respect of invoices showing address of un-registered premises. It is not concluded in impugned OIO that services are not received and not utilized in service exported. I hold that credit refund is admissible to appellant in respect of such un-registered premises. Judgments in case of M/s Bharat Sanchar Nigam Ltd. [2009(14)STR 699 (Tri. Chennai.) And M/s UM Cables Ltd. [2013-TIOL 386 HC MUM CX) cited by appellant is squarely applicable to issue. Adjudicating authority has relied upon judgments in case of M/s Market Creators Limited [2014(3) ECS (185) (Tri. Ahmedabad) is regarding ISD therefore it is not applicable for centralized registration issue. In view of foregoing discussion credit availment of unregistered premises invoice issue is decided in favor of appellant
- 10. Issue regarding availment of credit beyond six month was not raised in the SCN, therefore adjudicating authority has travelled beyond SCN. Regarding credit availment beyond prescribed time of six month, adjudicating authority has considered date of submitting revised ST-3 as date of availment of credit, which is not correct. Appellant has filed claim on 19.10.2015, therefore claim is not hit by time limitation of Section 11B of CEA, 1944. Adjudicating authority has never disputed the receipt and usages of services in export of goods, therefore substantial benefit can not be denied. My view is supported by following judgments-
  - I. Wipro Limited Vs. Union of India [2013] 32 Taxmann.com 113 (Delhi High Court)

- II. Kothari Infotech Ltd V/S Commissioner of Central Excise, Surat [2013] 38 taxmann.com 298 (Ahmadabad CESTAT)
- III. Mannubhai & Co. Vs. Commissioner of Service Tax (2011)(21)STR(65)- CESTAT (Ahmadabad)
- IV. M/S Mangalore Fertilizers & Chemicals Vs Deputy Commissioner 1991(55) ELT 437
- V. CST Delhi vs. Convergys India Private Limited 2009 -TIOL -888-CESTAT -DEL-2009 (16) STR 198 (TRI. DEL)
- VI. CST Delhi vs. Keane Worldzen India Pvt. Ltd. 2008 TIOL -496 CESTAT -DEL: 2008 (10) STR 471 (Tri. Del)
- 11. In view of foregoing discussion credit availment of unregistered premises invoice issue and credit availment beyond six months issue is decided in favor of appellant and appeal is allowed in respect of BRC or Bank certificate by way of remand. Appellant shall be given opportunity by original authority to hear in person and to submit documents related remittance to substantiate that remittance in respect of claim filed is received.
- 12. In view of above, Appeal filed by the appellant is allowed by way of remand and the impugned order is set aside.
- 13. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपीलों का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।
- 13. The appeals filed by the appellant stand disposed off in above terms.

(उमा शंकर)

2412m

आयुक्त (अपील्स **- II**)

**ATTESTED** 

(R.R.\PATEL)

SUPERINTENDENT (APPEAL-II),

CENTRAL EXCISE, AHMEDABAD.

To,

M/s. Vistaprint Technologies Pvt. Ltd, 104, 201-204, 301-304, Commerce House 5, Corporate Road,



Prahladnagar, Ahmedabad

## Copy to:

- 1) The Chief Commissioner, Central Excise, Ahmedabad.
- 2) The Commissioner, Service Tax ,Ahmedabad-.
- 3) The Additional Commissioner, Service Tax, Ahmedabad
- 4) The Asst. Commissioner, Service Tax Div-III, APM mall, Satellite, Ahmedabad.
- 5) The Asst. Commissioner(System), C.Ex. Hq, Ahmedabad.
- 6) Guard File.
- 7) P.A. File.

